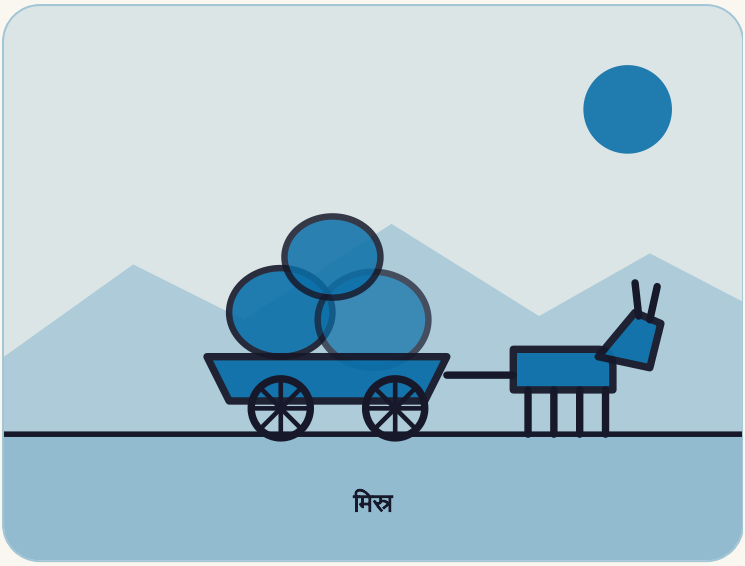

मिस्र

मिस्र

काहिरा को रीसायकल करने वाले लोग

दशकों से काहिरा के कचरा इकट्ठा करने वाले एक समुदाय ने शहर के फेंके हुए सामान का बड़ा हिस्सा छाँटकर दोबारा इस्तेमाल किया है।

कहाँ काहिरा

कौन ज़ब्बालीन, काहिरा के कचरा इकट्ठा करने वाले, ज़्यादातर दक्षिणी मिस्र से आए कॉप्टिक ईसाई परिवार

कब 1940 के दशक से आज तक

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

मिस्र की राजधानी काहिरा हर दिन लगभग 10,000 टन कचरा पैदा करता है, 2011 की एक रिपोर्ट के अनुसार। उसका लगभग 60 प्रतिशत इकट्ठा होता है, ज़्यादातर एक समुदाय द्वारा, जिसे ज़ब्बालीन कहते हैं। मिस्र की अरबी में इस शब्द का मतलब है "कचरे वाले लोग।"

ज़्यादातर ज़ब्बालीन कॉप्टिक ईसाई हैं। उनके परिवार दक्षिणी मिस्र के खेतिहर गाँवों से आए और पिछली सदी के मध्य में काहिरा में बस गए। उन्हें शहर का कचरा ले जाने का काम मिला, और उन्होंने सूअर पाले जो खाने का बचा हुआ कचरा खाते थे।

वे गधा-गाड़ियों और ट्रकों से घरों से कचरा इकट्ठा करते हैं। फिर उसे मोकत्तम ले जाते हैं, जो काहिरा के किनारे का एक मोहल्ला है और जिसे लोग गार्बेज सिटी कहते हैं। वहाँ परिवार उसे हाथ से छाँटते हैं। प्लास्टिक, धातु और काँच को पिघलाकर नई चीज़ें बनाई जाती हैं।

> ज़ब्बालीन की कहानी अनौपचारिक सेवाओं की सूझ-बूझ को सामने लाती है।
>
> Cairo from Below, काहिरा के बारे में एक वेबसाइट, 2011

60%

काहिरा के कचरे का हिस्सा जो इकट्ठा होता है, ज़्यादातर ज़ब्बालीन द्वारा

80–85%

जो वे इकट्ठा करते हैं उसका हिस्सा जो दोबारा इस्तेमाल या रीसायकल होता है, दो अनुमानों के अनुसार

300,000

2009 में मारे गए सूअर, एक अनुमान के अनुसार

रीसायकल के ये आँकड़े अनुमान हैं, आधिकारिक माप नहीं। इन्हें सिर्फ़ संकेत मानिए।

बदले गए, फिर याद किए गए

2003 में काहिरा ने कचरा इकट्ठा करने के लिए तीन यूरोपीय कंपनियों को रखा। उनके बड़े ट्रक कई तंग गलियों में नहीं समा पाए। कई लोगों ने कहा कि उन्हें पुरानी घर-घर वाली सेवा पसंद थी। बाद में कंपनियों ने कुछ ज़ब्बालीन को कर्मचारी रखा, पर कुछ ज़ब्बालीन ने कहा कि वेतन बहुत कम था।

सूअरों का सफ़ाया

अप्रैल 2009 में मिस्र ने स्वाइन फ़्लू के डर से सभी सूअरों को मारने का आदेश दिया। विशेषज्ञ आम तौर पर मानते हैं कि यह फ़्लू सूअरों से नहीं फैलता। *Wikipedia* के अनुसार उस समय मिस्र में कोई मामला भी नहीं था। संयुक्त राष्ट्र ने इस फ़ैसले की आलोचना की। इसके बाद सड़कों पर कचरा जमा हो गया।

आज भी ज़ब्बालीन कम कमाते हैं, अक्सर एक डॉलर प्रतिदिन से भी कम, 2011 की रिपोर्ट के अनुसार। इस काम से कई लोगों को त्वचा के रोग हो जाते हैं। फिर भी *Middle East Eye* के अनुसार गार्बेज सिटी में छोटे कारोबार और सामुदायिक समूह बढ़े हैं। कुछ लोगों को उम्मीद है कि वे ज़ब्बालीन को यह काम जारी रखने में मदद करेंगे।

कब क्या हुआ

- **1970** ज़ब्बालीन परिवारों को गीज़ा से निकाल दिया जाता है।
- **1975** मोकत्तम में एक चर्च की स्थापना होती है। परिवार ईंट और पत्थर से घर बनाने लगते हैं।
- **2003** काहिरा कचरा इकट्ठा करने के लिए तीन यूरोपीय कंपनियों को रखता है।
- **2009** मिस्र सभी सूअरों को मारने का आदेश देता है। काहिरा में कचरा जमा होने लगता है।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

एक ग़रीब समुदाय ने हाथ से रीसायकल की व्यवस्था बनाई, उस समय से बहुत पहले जब रीसायकल नीति बनी। जब काहिरा ने उसे बदलने की कोशिश की, तो कई लोगों को वह याद आई।

कहानी सरल नहीं है। काम कठिन है, वेतन कम है, और आँकड़े सिर्फ़ अनुमान हैं।

हमारी राय

जो लोग सबसे कठिन, सबसे कम दिखने वाला काम करते हैं, वे अक्सर व्यवस्था को सबसे अच्छी तरह जानते हैं। उन्हें बदलने से पहले उनसे पूछिए।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 कचरे में मूल्य देखिए

ज़ब्बालीन कचरे को हाथ से छाँटते हैं और उसका ज़्यादातर हिस्सा दोबारा इस्तेमाल या रीसायकल करते हैं।

यह आज़माएँ: कुछ फेंकने से पहले पूछिए कि उसे कौन इस्तेमाल कर सकता है।

2 काम करने वालों से पूछिए

बड़े ट्रक तंग गलियों में नहीं समाए, और कई लोगों को पुरानी सेवा याद आई।

यह आज़माएँ: किसी काम का तरीक़ा बदलने से पहले उसे करने वालों से बात कीजिए।

3 सफ़ाई करने वालों का ध्यान रखिए

ज़ब्बालीन कम कमाते हैं, और कई लोग अपने काम से बीमार पड़ते हैं।

यह आज़माएँ: हमारे बाद सफ़ाई करने वालों के साथ सम्मान से पेश आइए और उन्हें उचित वेतन दीजिए।

4 जल्दबाज़ी के फ़ैसले की क़ीमत गिनिए

फ़्लू के डर से सूअर मारे गए, और सड़कों पर कचरा जमा हो गया।

यह आज़माएँ: जब आप जल्दी फ़ैसला करें, तो पूछिए कि इसकी क़ीमत कौन चुकाएगा।

साथ ले जाने वाली एक बात

हमारे बाद सफ़ाई करने वाले व्यवस्था का हिस्सा हैं, उसके बाहर नहीं।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

Middle East Eye
Pictures of life in Cairo's Garbage City

Cairo from Below
The Zabaleen: Cairo's innovative garbage collectors

Wikipedia
Zabbaleen

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मोटे तौर पर कहानी पर सहमत हैं और कुछ आँकड़ों में अलग हैं। काहिरा का कचरा: Cairo from Below (2011) कहता है कि हर दिन लगभग 10,000 टन कचरा बनता है, जिसमें से लगभग 60 प्रतिशत इकट्ठा होता है, ज़्यादातर ज़ब्बालीन द्वारा; Wikipedia पुराने आँकड़े (1997) देता है, इसलिए कहानी 2011 के आँकड़े लेती है और यह बताती है। ज़ब्बालीन कब आए: Wikipedia कहता है कि लगभग 1940 के दशक से, और 1930 और 1940 के दशकों में असयूत से भूमिहीन किसानों की एक लहर आई; Cairo from Below कहता है 1950 का दशक; कहानी सिर्फ़ पिछली सदी का मध्य कहती है। रीसायकल की दर: Cairo from Below कहता है कि

लगभग 85 प्रतिशत, जबकि आधुनिक व्यवस्थाओं में 70 प्रतिशत; Wikipedia कहता है कि 80 प्रतिशत तक, जबकि पश्चिमी कंपनियों में 20 से 25 प्रतिशत, जो आंशिक रूप से फ़िल्म Garbage Dreams की वेबसाइट से लिया गया है, जो निष्पक्ष नहीं है; ये तुलनाएँ आपस में टकराती हैं, इसलिए कहानी सिर्फ़ 80 से 85 प्रतिशत की सीमा देती है और उसे अनुमान कहती है। हमने इसे किसी स्वतंत्र अध्ययन से नहीं जाँचा। आबादी पर विवाद है (Wikipedia: 50,000 से 70,000, और कुछ कहते हैं 80,000 से ज़्यादा), इसलिए कहानी कोई आँकड़ा नहीं देती। तीन यूरोपीय कंपनियों के साथ 2003 के ठेके Middle East Eye और Wikipedia से हैं; Cairo from Below कहता है कि योजना एक साल बाद ढह गई, जो Wikipedia नहीं कहता, इसलिए कहानी यह दावा नहीं करती। तंग गलियाँ, घर-घर कचरा उठाने की लोगों की पसंद और बाद में दिया गया कम वेतन (कुछ ज़ब्बालीन का दावा) सिर्फ़ Wikipedia से हैं। अप्रैल 2009 में सूअरों का सफ़ाया तीनों स्रोतों में है। 300,000 सूअर, संयुक्त राष्ट्र की आलोचना, यह आम सहमति कि फ़्लू सूअरों से नहीं फैलता और मिस्र में मामलों की कमी सिर्फ़ Wikipedia से हैं; Wikipedia सफ़ाए के दौरान हिंसा की भी बात करता है, जिसे कहानी छोड़ देती है क्योंकि हम उसे जाँच नहीं सके। एक डॉलर प्रतिदिन से कम कमाई और त्वचा के रोग Cairo from Below (2011) से हैं और पुराने हो सकते हैं। 1970 का निष्कासन और 1975 का चर्च सिर्फ़ Wikipedia से हैं। उद्धरण Cairo from Below के लेख के समापन हिस्से में लेखक की राय है। Worldcrunch, Egypt Independent, NPR और BBC नहीं खुल सके (403 या 404)। पिन मोकत्तम दिखाता है। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।